समकालीन दक्षिण एशिया

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» दक्षिण एशिया का परिचय और उसकी विशेषताएँ

प्रश्न 1 (आसान). दक्षिण एशिया में कुल कितने देश शामिल हैं?
उत्तर – सात देश।

प्रश्न 2 (आसान). दक्षिण एशिया के उत्तर में कौन सी विशाल पर्वत श्रृंखला है?
उत्तर – हिमालय पर्वत-श्रृंखला।

प्रश्न 3 (मध्यम). किन्हीं तीन दक्षिण एशियाई देशों के नाम बताइए जो भारत के साथ अपनी सीमा साझा करते हैं।
उत्तर – पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश (या भूटान)।

प्रश्न 4 (कठिन). दक्षिण एशिया को एक विशिष्ट प्राकृतिक क्षेत्र के रूप में बनाने वाली दो प्रमुख भौगोलिक विशेषताओं का वर्णन करें।
उत्तर – उत्तर की विशाल हिमालय पर्वत-श्रृंखला और दक्षिण का हिन्द महासागर इसे एक विशिष्ट क्षेत्र बनाते हैं।

» दक्षिण एशिया में लोकतंत्र की स्थिति और विविधता

प्रश्न 5 (आसान). दक्षिण एशिया के किन दो देशों में स्वतंत्रता के बाद से ही सफलतापूर्वक लोकतांत्रिक व्यवस्था कायम है?
उत्तर – भारत और श्रीलंका

प्रश्न 6 (आसान). पाकिस्तान में लोकतांत्रिक सरकारों के अलावा कौन सी शासन प्रणाली देखने को मिली है?
उत्तर – सैनिक शासन

प्रश्न 7 (मध्यम). नेपाल में कब राजतंत्र खत्म हुआ और वह एक लोकतांत्रिक गणराज्य बना?
उत्तर – 2008 में

प्रश्न 8 (कठिन). दक्षिण एशिया के किस द्वीपीय देश में पहले सल्तनत था, फिर गणतंत्र बना और बाद में बहुदलीय प्रणाली अपनाई?
उत्तर – मालदीव

» पाकिस्तान में सैन्य शासन और लोकतंत्र का संघर्ष

प्रश्न 9 (आसान). पाकिस्तान में संविधान बनने के बाद सबसे पहले किस जनरल ने शासन संभाला?
उत्तर – जनरल अयूब खान।

प्रश्न 10 (आसान). बेनज़ीर भुट्टो के नेतृत्व में पाकिस्तान में लोकतांत्रिक सरकार कब बनी?
उत्तर – 1988 में।

प्रश्न 11 (मध्यम). पाकिस्तान में सैन्य शासन के बार-बार आने के कोई दो मुख्य कारण बताओ।
उत्तर – सेना, धर्मगुरु और भूस्वामी अभिजातों का सामाजिक दबदबा, और भारत के साथ तनाव।

प्रश्न 12 (कठिन). अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किन कारणों से पाकिस्तान में सैन्य शासन को बढ़ावा मिला?
उत्तर – अमेरिका और पश्चिमी देशों को 'विश्वव्यापी इस्लामी आतंकवाद' और पाकिस्तान के परमाणु हथियारों के गलत हाथों में पड़ने का डर था, इसलिए उन्होंने अपने स्वार्थों के लिए सैन्य शासन का समर्थन किया।

» बांग्लादेश में लोकतंत्र की स्थापना और संघर्ष

प्रश्न 13 (आसान). बांग्लादेश का पुराना नाम क्या था?
उत्तर – पूर्वी पाकिस्तान

प्रश्न 14 (आसान). बांग्लादेश की आज़ादी के लिए किस नेता ने आवाज़ उठाई?
उत्तर – शेख मुजीबुर्रहमान

प्रश्न 15 (मध्यम). पूर्वी पाकिस्तान के लोग पश्चिमी पाकिस्तान से अलग क्यों होना चाहते थे? दो मुख्य कारण बताइए।
उत्तर – भाषा और संस्कृति में अंतर, आर्थिक असमानता और पश्चिमी पाकिस्तान का प्रभुत्व।

प्रश्न 16 (कठिन). 1971 में बांग्लादेश के निर्माण में भारत की क्या भूमिका थी?
उत्तर – भारत ने पूर्वी पाकिस्तान के स्वतंत्रता संग्राम का समर्थन किया और 1971 के युद्ध में सहायता दी, जिससे बांग्लादेश की मुक्ति संभव हुई।

» नेपाल में राजतंत्र से लोकतंत्र की ओर संक्रमण

प्रश्न 17 (आसान). नेपाल में किस प्रकार का शासन था जब लोकतंत्र की शुरुआत हुई?
उत्तर – संवैधानिक राजतंत्र

प्रश्न 18 (आसान). माओवादी नेपाल में किसके खिलाफ़ विद्रोह कर रहे थे?
उत्तर – राजा और सत्ताधारी अभिजन के खिलाफ़

प्रश्न 19 (मध्यम). नेपाल के लोकतंत्र के संक्रमण में 'त्रिकोणीय संघर्ष' से क्या अभिप्राय है?
उत्तर – त्रिकोणीय संघर्ष राजा की सेना, लोकतंत्र-समर्थकों और माओवादियों के बीच की लड़ाई को दर्शाता है।

प्रश्न 20 (कठिन). 2006 के लोकतंत्र-समर्थक प्रदर्शनों में किन-किन प्रमुख शक्तियों ने भाग लिया और उनका क्या परिणाम हुआ?
उत्तर – इसमें सात दलों का गठबंधन (SPA), माओवादी और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल थे। इनके दबाव में राजा ज्ञानेन्द्र को संसद बहाल करनी पड़ी, जो लोकतंत्र की दिशा में एक बड़ी जीत थी।

» श्रीलंका में जातीय संघर्ष और लोकतंत्र

प्रश्न 21 (आसान). श्रीलंका में किस वर्ष लोकतंत्र स्थापित हुआ था?
उत्तर – 1948 में

प्रश्न 22 (आसान). श्रीलंका के दो मुख्य जातीय समुदाय कौन से हैं जिनके बीच संघर्ष हुआ?
उत्तर – सिंहली और तमिल

प्रश्न 23 (मध्यम). LTTE का पूरा नाम क्या है और उसकी मुख्य मांग क्या थी?
उत्तर – LTTE का पूरा नाम 'लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम' है। उसकी मुख्य मांग श्रीलंकाई तमिलों के लिए एक अलग देश 'तमिल ईलम' की थी।

प्रश्न 24 (कठिन). भारत ने श्रीलंका के जातीय संघर्ष में कब और कैसे हस्तक्षेप किया? यह हस्तक्षेप सफल क्यों नहीं रहा?
उत्तर – भारत ने 1987 में श्रीलंका से एक समझौता करके और अपनी 'शांति सेना' भेजकर हस्तक्षेप किया था। यह सफल नहीं रहा क्योंकि भारतीय सेना LTTE से संघर्ष में फँस गई, और श्रीलंकाई जनता ने भी इसे अपने आंतरिक मामलों में भारत का दखल माना, जिसके कारण 1989 में सेना वापस बुला ली गई।

» भारत-पाकिस्तान के बीच प्रमुख संघर्ष के मुद्दे

प्रश्न 25 (आसान). भारत और पाकिस्तान के बीच कश्मीर को लेकर कितने युद्ध हुए हैं?
उत्तर – 1947-48, 1965 और 1971 में।

प्रश्न 26 (आसान). भारत और पाकिस्तान ने परमाणु परीक्षण किस साल किए?
उत्तर – 1998 में।

प्रश्न 27 (मध्यम). सिंधु जल संधि क्या है और यह कब हुई?
उत्तर – सिंधु जल संधि 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों के पानी के बँटवारे को लेकर हुई थी, जिसमें विश्व बैंक ने मध्यस्थता की थी।

प्रश्न 28 (कठिन). भारत पाकिस्तान पर आतंकवाद को लेकर क्या आरोप लगाता है?
उत्तर – भारत आरोप लगाता है कि पाकिस्तान कश्मीरी उग्रवादियों को हथियार, प्रशिक्षण और पैसा देता है, और भारत में आतंकवादी हमलों के लिए उन्हें सुरक्षा प्रदान करता है। साथ ही खालिस्तान समर्थक उग्रवादियों को भी मदद देने का आरोप है।

» भारत और उसके अन्य पड़ोसी देशों के साथ संबंध

प्रश्न 29 (आसान). भारत और भूटान के बीच संबंधों की एक मुख्य विशेषता बताइए।
उत्तर – भारत भूटान में पनबिजली परियोजनाओं में मदद करता है।

प्रश्न 30 (आसान). मालदीव ने किस वर्ष भारत से सैनिक मदद मांगी थी?
उत्तर – 1988 में

प्रश्न 31 (मध्यम). नेपाल के साथ भारत के संबंधों में कौन से प्रमुख मतभेद रहे हैं?
उत्तर – चीन के साथ दोस्ती, भारत-विरोधी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई न करना और नेपाल सरकार का यह मानना कि भारत उसके आंतरिक मामलों में दखल देता है।

प्रश्न 32 (कठिन). श्रीलंका के साथ भारत के संबंधों में जातीय संघर्ष का मुद्दा क्यों महत्वपूर्ण है?
उत्तर – श्रीलंका में तमिल आबादी के राजनीतिक रूप से नाखुश होने और उनके साथ हिंसा होने पर भारतीय नेताओं और जनता का तटस्थ रहना मुश्किल हो जाता है, क्योंकि भारत में भी तमिल आबादी है और उनके भावुक जुड़ाव होते हैं।

» दक्षिण एशिया में शांति, सहयोग और दक्षेस (SAARC)

प्रश्न 33 (आसान). SAARC का पूरा नाम क्या है?
उत्तर – दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (South Asian Association for Regional Cooperation)

प्रश्न 34 (आसान). SAFTA किस उद्देश्य से लागू किया गया था?
उत्तर – दक्षिण एशियाई देशों के बीच मुक्त व्यापार को बढ़ावा देने के लिए।

प्रश्न 35 (मध्यम). दक्षेस अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में पूरी तरह सफल क्यों नहीं हो पाया है?
उत्तर – सदस्य देशों के बीच आपसी मतभेद और अविश्वास के कारण दक्षेस पूरी तरह सफल नहीं हो पाया है।

प्रश्न 36 (कठिन). भारत और पाकिस्तान के बीच लगातार तनाव दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय सहयोग को कैसे प्रभावित करता है?
उत्तर – भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव दक्षेस जैसे क्षेत्रीय संगठनों की कार्यप्रणाली को बाधित करता है, क्योंकि ये दोनों प्रमुख सदस्य देश हैं और इनके मतभेदों से सहयोग के अन्य प्रयास भी प्रभावित होते हैं।

» दक्षिण एशियाई राजनीति में बाहरी शक्तियों का प्रभाव

प्रश्न 37 (आसान). दक्षिण एशियाई राजनीति को प्रभावित करने वाली किन्हीं दो बाहरी शक्तियों के नाम बताओ।
उत्तर – चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका।

प्रश्न 38 (आसान). संयुक्त राज्य अमेरिका दक्षिण एशिया में किस तरह का प्रभाव डालता है?
उत्तर – सुरक्षा सहायता, आर्थिक संबंध और आतंकवाद विरोधी मुहिम में सहयोग।

प्रश्न 39 (मध्यम). दक्षिण एशिया में चीन के बढ़ते प्रभाव का क्या कारण है?

उत्तर – चीन की बढ़ती आर्थिक शक्ति, बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव जैसी परियोजनाएं, और क्षेत्रीय देशों में भारी निवेश।

प्रश्न 40 (कठिन). बाहरी शक्तियों का प्रभाव दक्षिण एशिया के क्षेत्रीय संतुलन और सार्क जैसे क्षेत्रीय संगठनों पर कैसे असर डालता है?

उत्तर – बाहरी शक्तियों के हस्तक्षेप से क्षेत्रीय देशों के बीच अविश्वास बढ़ सकता है, क्योंकि कुछ देश एक बड़ी शक्ति के करीब जाते हैं जबकि दूसरे उससे दूर रहना चाहते हैं। यह सार्क जैसे संगठनों को कमजोर कर सकता है क्योंकि सदस्य देश एक बाहरी शक्ति के प्रभाव के कारण एकजुट होकर काम करने में हिचकिचा सकते हैं।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. दक्षिण एशिया में कौन-कौन से देश शामिल हैं? किन्हीं तीन प्रमुख भौगोलिक सीमाओं का उल्लेख कीजिए।

› पहला, हमें उन देशों के नाम याद करने होंगे जिन्हें आमतौर पर 'दक्षिण एशिया' में गिना जाता है।

› दूसरा, फिर हम इसकी प्राकृतिक सीमाओं के बारे में सोचेंगे, जो इसे बाकी दुनिया से अलग करती हैं।

› देशों में भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, श्रीलंका और मालदीव शामिल हैं।

› भौगोलिक सीमाओं में उत्तर में विशाल हिमालय पर्वत-श्रृंखला, दक्षिण में हिन्द महासागर, पश्चिम में अरब सागर और पूरब में बंगाल की खाड़ी शामिल हैं।

उत्तर – दक्षिण एशिया में बांग्लादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका शामिल हैं। इसकी प्रमुख भौगोलिक सीमाएँ हैं: उत्तर में हिमालय, दक्षिण में हिन्द महासागर, और पश्चिम में अरब सागर।

उदाहरण 2. दक्षिण एशिया के किन्हीं दो देशों में लोकतंत्र की स्थिति की तुलना करें।

› सबसे पहले, हम भारत और पाकिस्तान को चुनते हैं।

› भारत के बारे में: भारत को 1947 में आज़ादी मिलने के बाद से लगातार एक सफल लोकतांत्रिक व्यवस्था मिली है। यहाँ नियमित चुनाव होते हैं, लोगों को मौलिक अधिकार मिले हुए हैं और संविधान सर्वोच्च है।

› पाकिस्तान के बारे में: पाकिस्तान में आज़ादी के बाद से कई बार लोकतांत्रिक सरकारें आईं, लेकिन बीच-बीच में सेना ने भी सत्ता संभाली है, जिसे 'सैनिक तख्तापलट' कहते हैं। उदाहरण के लिए, 1999 में भी ऐसा हुआ था। हाँ, 2008 के बाद से वहाँ फिर से लोकतांत्रिक शासन है।

› निष्कर्ष: जहाँ भारत में लोकतंत्र की जड़ें मज़बूत हैं और यह हमेशा से कायम रहा है, वहीं पाकिस्तान में लोकतंत्र और सैनिक शासन के बीच उतार-चढ़ाव देखने को मिला है।

उत्तर – भारत में स्वतंत्रता के बाद से लगातार लोकतंत्र कायम है, जबकि पाकिस्तान में लोकतांत्रिक और सैनिक शासन का मिश्रण देखने को मिला है, जिसमें समय-समय पर सैनिक तख्तापलट हुए हैं।

उदाहरण 3. पाकिस्तान में 1971 के बाद कौन सी लोकतांत्रिक सरकार बनी, और उसे किस सैन्य शासक ने गिराया?

› पहला कदम: याद करो कि 1971 में बांग्लादेश संकट और भारत-पाक युद्ध के बाद पाकिस्तान में क्या बदलाव आया था।

› दूसरा कदम: युद्ध के बाद पाकिस्तान के पूर्वी हिस्से का क्या हुआ, और पश्चिमी पाकिस्तान में कौन सी नई सरकार बनी?

› तीसरा कदम: उस लोकतांत्रिक सरकार के नेता का नाम क्या था, और फिर किस जनरल ने उसे हटाया?

› तो 1971 में युद्ध के बाद जुल्फिकार अली भुट्टो के नेतृत्व में एक निर्वाचित सरकार बनी थी।

› इस सरकार को 1977 में जनरल ज़ियाउल-हक ने गिरा दिया था।

उत्तर – 1971 में जुल्फिकार अली भुट्टो के नेतृत्व में लोकतांत्रिक सरकार बनी, जिसे 1977 में जनरल ज़ियाउल-हक ने गिरा दिया।

उदाहरण 4. बांग्लादेश का गठन क्यों हुआ और उसने कैसे लोकतंत्र अपनाया?

› 1. पहले पूर्वी पाकिस्तान पर पश्चिमी पाकिस्तान का प्रभुत्व था, जहाँ भाषा और संस्कृति का भेद था।

› 2. पश्चिमी पाकिस्तान ने पूर्वी पाकिस्तान की आर्थिक उपेक्षा की और अपनी उर्दू भाषा को थोपने का प्रयास किया।

› 3. शेख मुजीबुर्रहमान ने 'छह सूत्री प्रस्ताव' के माध्यम से पूर्वी पाकिस्तान के लिए अधिक स्वायत्तता की मांग की।

› 4. पश्चिमी पाकिस्तान ने इस आंदोलन को कुचलने की कोशिश की, जिससे गृहयुद्ध जैसी स्थिति बन गई।

› 5. भारत ने पूर्वी पाकिस्तान के स्वतंत्रता संग्राम का समर्थन किया और 1971 के युद्ध में सहायता दी।

› 6. दिसंबर 1971 में पूर्वी पाकिस्तान एक स्वतंत्र देश 'बांग्लादेश' के रूप में अस्तित्व में आया।

› 7. शुरुआती दौर में बांग्लादेश ने धर्मनिरपेक्ष, समाजवादी और लोकतांत्रिक संविधान अपनाया, हालांकि बाद में चुनौतियाँ आईं, पर फिर से लोकतंत्र मजबूत हुआ।

उत्तर – बांग्लादेश का गठन पश्चिमी पाकिस्तान के राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक प्रभुत्व से मुक्ति पाने के लिए हुआ था, और संघर्ष के बाद उसने एक स्वतंत्र, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान बनाई।

उदाहरण 5. नेपाल में राजतंत्र से लोकतंत्र की ओर संक्रमण के प्रमुख चरणों को समझाइए।

› पहला चरण: नेपाल शुरू में एक हिन्दू-राज्य था, जहाँ पूरी तरह से राजा का शासन था। बाद में संवैधानिक राजतंत्र आया, जिसमें राजा के पास कुछ शक्तियाँ थीं, पर संविधान भी था।

› दूसरा चरण: 1990 के दशक में, नेपाल में माओवादियों का उदय हुआ। ये लोग राजा और शासन के खिलाफ़ सशस्त्र विद्रोह चाहते थे। इससे राजा की सेना और माओवादियों के बीच लड़ाई छिड़ गई।

› तीसरा चरण: इस दौरान एक 'त्रिकोणीय संघर्ष' हुआ, जिसमें एक तरफ राजा की सेना थी, दूसरी तरफ लोकतंत्र-समर्थक राजनीतिक दल, और तीसरी तरफ माओवादी।

› चौथा चरण: 2002 में राजा ने संसद को भंग कर दिया, जिससे लोकतंत्र लगभग खत्म हो गया। लेकिन, अप्रैल 2006 में देशव्यापी बड़े-बड़े प्रदर्शन हुए, जिसमें सात दलों का गठबंधन (SPA), माओवादी और आम जनता शामिल थे।

› पाँचवाँ चरण: इन प्रदर्शनों के दबाव में आकर राजा ज्ञानेन्द्र को संसद बहाल करनी पड़ी। माओवादियों ने भी सशस्त्र संघर्ष का रास्ता छोड़ा।

› छठा चरण: अंततः 2008 में राजतंत्र को समाप्त कर दिया गया और नेपाल एक लोकतांत्रिक गणराज्य बन गया। 2015 में नेपाल ने अपना नया संविधान अपनाया।

› निष्कर्ष: इस प्रकार, नेपाल ने एक लंबी और कठिन यात्रा तय की है, जिसमें विभिन्न शक्तियों के बीच टकराव और सहयोग दोनों देखने को मिले, और आखिरकार वह एक लोकतांत्रिक राष्ट्र बन पाया।

उत्तर – नेपाल ने राजतंत्र से लोकतांत्रिक गणराज्य बनने तक कई चरणों में एक जटिल संक्रमण देखा, जिसमें माओवादी विद्रोह, राजा के हस्तक्षेप, और देशव्यापी लोकतंत्र-समर्थक आंदोलनों की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिसके परिणामस्वरूप 2008 में राजतंत्र समाप्त हुआ और 2015 में नया संविधान अपनाया गया।

उदाहरण 6. श्रीलंका में जातीय संघर्ष के मुख्य कारण क्या थे और भारत का इसमें क्या योगदान रहा?

› सबसे पहले, श्रीलंका में सिंहली बहुसंख्यक समुदाय ने आज़ादी के बाद से ही देश की राजनीति पर अपना दबदबा रखा। वे मानते थे कि श्रीलंका सिर्फ सिंहली लोगों का है।

› दूसरा, श्रीलंका में एक बड़ी तमिल आबादी थी (जो भारत से भी जाकर बसे थे)। सिंहली राष्ट्रवादियों ने इन तमिलों के साथ कोई 'रियायत' नहीं बरती, उन्हें उपेक्षित किया।

› तीसरा, इस उपेक्षित व्यवहार के कारण तमिल समुदाय में उग्र राष्ट्रवाद पनपा, और 'लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम' (LTTE) नाम का संगठन बना। LTTE ने अपने लिए एक अलग देश 'तमिल ईलम' की मांग की और श्रीलंकाई सेना से सशस्त्र संघर्ष शुरू कर दिया।

› चौथा, भारत की तमिल जनता का भारत सरकार पर बहुत दबाव था कि वह श्रीलंकाई तमिलों की मदद करे। 1987 में, भारत सरकार ने श्रीलंका से एक समझौता किया और भारतीय 'शांति सेना' को वहाँ भेजा ताकि तमिलों और श्रीलंका सरकार के बीच रिश्ते सुधरें।

› आखिर में, भारतीय सेना LTTE से संघर्ष में फँस गई, और श्रीलंकाई जनता ने भी भारत के इस दखल को पसंद नहीं किया। 1989 में, भारत ने अपनी सेना बिना लक्ष्य हासिल किए वापस बुला ली।

उत्तर – श्रीलंका में जातीय संघर्ष का मुख्य कारण सिंहली बहुसंख्यक समुदाय द्वारा तमिल अल्पसंख्यक समुदाय की उपेक्षा

और उनके अधिकारों की अनदेखी थी, जिसके जवाब में LTTE का उदय हुआ। भारत ने 1987 में शांति सेना भेजकर इस संघर्ष में हस्तक्षेप किया था।

उदाहरण 7. भारत और पाकिस्तान के बीच 'हथियारों की होड़' का क्या मतलब है, और इसका सबसे बड़ा उदाहरण क्या था?

› पहले समझेंगे 'हथियारों की होड़' क्या है: इसका मतलब है कि जब दो देश एक-दूसरे से ज़्यादा और बेहतर हथियार बनाने की कोशिश करते हैं, ताकि कोई दूसरा उन पर हमला न कर सके या अगर हमला हो तो वो उसका जवाब दे सकें।

› भारत और पाकिस्तान के संदर्भ में: दोनों देशों ने अपनी-अपनी सुरक्षा के लिए परमाणु हथियार और उन्हें दागने वाली मिसाइलें हासिल कीं।

› सबसे बड़ा उदाहरण: 1998 में, भारत ने पोखरण में परमाणु परीक्षण किए। इसके कुछ ही दिनों बाद, पाकिस्तान ने भी चागाई पहाड़ी पर अपने परमाणु परीक्षण किए। इससे दुनिया को पता चला कि दोनों देश परमाणु शक्ति वाले देश बन गए हैं, और हथियारों की यह होड़ एक नए स्तर पर पहुँच गई।

› परिणाम: इससे सीधे बड़े युद्ध की संभावना कम हो गई है, क्योंकि दोनों देशों को पता है कि परमाणु युद्ध में कोई नहीं जीतता।

उत्तर – भारत और पाकिस्तान के बीच 'हथियारों की होड़' का मतलब है कि दोनों देशों ने अपनी सुरक्षा के लिए लगातार एक-दूसरे से ज़्यादा हथियार, खासकर परमाणु हथियार जमा किए। इसका सबसे बड़ा उदाहरण 1998 में हुआ था, जब पहले भारत ने पोखरण में और फिर पाकिस्तान ने चागाई पहाड़ी पर परमाणु परीक्षण किए थे।

उदाहरण 8. बांग्लादेश के साथ भारत के संबंधों में दो प्रमुख सहयोग के क्षेत्र और दो प्रमुख मतभेद के मुद्दे बताइए।

› पहले हम सहयोग के क्षेत्रों को देखेंगे। भारत और बांग्लादेश ने पिछले बीस वर्षों में आर्थिक संबंधों को काफी मजबूत किया है।

› दूसरा सहयोग का क्षेत्र है आपदा प्रबंधन और पर्यावरण के मसले पर निरंतर सहयोग।

› अब मतभेद के मुद्दों पर आते हैं। गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी के जल में हिस्सेदारी को लेकर मतभेद रहे हैं।

› दूसरा मतभेद का मुद्दा भारत में अवैध आप्रवास पर ढाका के खंडन और भारत-विरोधी तत्वों को समर्थन देने की शिकायतें हैं।

उत्तर – सहयोग के क्षेत्र: आर्थिक संबंध और आपदा प्रबंधन। मतभेद के मुद्दे: नदी-जल बँटवारा और अवैध आप्रवास/भारत-विरोधी तत्वों का समर्थन।

उदाहरण 9. दक्षेस (SAARC) की स्थापना किस वर्ष हुई थी और इसका मुख्य उद्देश्य क्या है?

› पहला कदम, हमें याद करना है कि दक्षेस कब बना था. यह 1985 में बना था.

› दूसरा कदम, इसके मुख्य उद्देश्यों पर ध्यान देना है. मुख्य उद्देश्य दक्षिण एशिया में शांति, आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देना है.

› और खास तौर पर, SAFTA जैसे समझौतों के जरिए व्यापार को आसान बनाना भी इसका एक बड़ा लक्ष्य है.

उत्तर – दक्षेस की स्थापना 1985 में हुई थी. इसका मुख्य उद्देश्य दक्षिण एशिया के देशों के बीच शांति, आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देना है, जिसमें व्यापारिक बाधाओं को कम करना भी शामिल है.

उदाहरण 10. चीन दक्षिण एशियाई देशों की राजनीति को कैसे प्रभावित करता है? एक उदाहरण से समझाएँ।

› पहला कदम, पहचानना कि चीन एक प्रमुख बाहरी शक्ति है जिसकी दक्षिण एशिया में गहरी दिलचस्पी है।

› दूसरा कदम, समझना कि चीन मुख्य रूप से आर्थिक निवेश और बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं के ज़रिए प्रभाव डालता है।

› तीसरा कदम, एक विशेष उदाहरण देना: जैसे 'चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा' (CPEC) जो पाकिस्तान से होकर गुज़रता है।

› चौथा कदम, समझाना कि CPEC से पाकिस्तान में सड़कों, बंदरगाहों और ऊर्जा परियोजनाओं का विकास हुआ है, जिससे पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पर चीन का प्रभाव बढ़ा है। यह आर्थिक प्रभाव धीरे-धीरे पाकिस्तान की विदेश नीति और क्षेत्रीय संबंधों को भी प्रभावित कर सकता है।

› पाँचवाँ कदम, यह भी बताना कि चीन श्रीलंका और मालदीव जैसे अन्य दक्षिण एशियाई देशों में भी बंदरगाह और अन्य ढाँचागत परियोजनाओं में निवेश कर रहा है, जिससे उन देशों की अर्थव्यवस्थाओं और राजनीति पर भी उसका असर बढ़ रहा

है।

उत्तर – चीन दक्षिण एशियाई देशों को आर्थिक निवेश और बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं के माध्यम से प्रभावित करता है। इसका एक प्रमुख उदाहरण 'चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा' (CPEC) है, जिसके तहत चीन पाकिस्तान में बड़े पैमाने पर सड़कें, बंदरगाह और ऊर्जा परियोजनाएँ विकसित कर रहा है। इससे पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पर चीन का प्रभाव बढ़ रहा है, जो उसकी राजनीतिक और विदेश नीति के निर्णयों को भी अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर सकता है।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• दक्षिण एशिया में शामिल देशों के नाम और इसकी भौगोलिक सीमाओं पर आधारित प्रश्न बोर्ड परीक्षा में अक्सर पूछे जाते हैं, इन्हें अच्छे से याद कर लेना।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है! खासकर भारत और श्रीलंका की लोकतांत्रिक निरंतरता, और पाकिस्तान व बांग्लादेश में लोकतांत्रिक व सैनिक शासन के अनुभवों पर सीधे प्रश्न आ सकते हैं। विभिन्न देशों के लोकतंत्र की तुलना करने वाले प्रश्न भी अक्सर पूछे जाते हैं।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। पाकिस्तान में सैन्य शासन के कारणों और लोकतांत्रिक बहाली के प्रयासों पर सीधे प्रश्न पूछे जाते हैं, इसलिए सभी जनरल और नेताओं के नाम, और उनकी समय-सीमा ध्यान से याद रखना।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा में अक्सर बांग्लादेश के उदय के कारणों और भारत की भूमिका पर सीधे प्रश्न पूछने के लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए सभी कारण विस्तार से समझें।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है! आपको नेपाल के राजतंत्र से लोकतंत्र में परिवर्तन के चरणों, माओवादियों की भूमिका और 2006 के जन-आंदोलन को अच्छे से समझना होगा। तारीखें जैसे 2008 (राजतंत्र समाप्त) और 2015 (नया संविधान) याद रखना ज़रूरी है।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। जातीय संघर्ष के कारण, LTTE की भूमिका और भारत के हस्तक्षेप पर अक्सर सीधे प्रश्न पूछे जाते हैं। संघर्ष के बावजूद श्रीलंका के आर्थिक विकास को भी याद रखना।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष के प्रमुख मुद्दों को 'पॉइंट्स' में याद करें और प्रत्येक बिंदु के लिए एक छोटा उदाहरण तैयार रखें। खासकर कश्मीर, परमाणु परीक्षण और आतंकवाद पर प्रश्न अक्सर पूछे जाते हैं।

• इस टॉपिक से बोर्ड परीक्षाओं में हर पड़ोसी देश के साथ भारत के संबंधों के 'सहयोग' और 'मतभेद' दोनों बिंदुओं पर अलग से प्रश्न आ सकते हैं। हर देश के कम से कम दो-दो बिंदु याद रखें।

• दक्षेस और SAFTA के उद्देश्य और उनके सामने आने वाली चुनौतियों पर सीधे प्रश्न बोर्ड परीक्षा में अक्सर आते हैं. इन्हें ध्यान से समझना.

एक नज़र में रिवीज़न

› दक्षिण एशिया: 7 देश (भारत सहित), हिमालय-महासागर सीमाएँ, भाषाई-सांस्कृतिक विविधता।

› दक्षिण एशिया में लोकतंत्र की विविध स्थिति: भारत-श्रीलंका स्थिर, पाकिस्तान-बांग्लादेश में उतार-चढ़ाव, नेपाल-भूटान-मालदीव में बदलाव।

› पाकिस्तान में लोकतंत्र व सैन्य शासन का संघर्ष: कारण (सेना, तनाव, बाहरी समर्थन) और जनता का जज़्बा।

› पूर्वी पाकिस्तान, 1971 में बांग्लादेश बना, शेख मुजीबुर्रहमान, भारत का समर्थन, धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र।

› नेपाल: राजतंत्र (हिन्दू-राज्य) संवैधानिक राजतंत्र माओवादी विद्रोह त्रिकोणीय संघर्ष 2008 में लोकतांत्रिक गणराज्य।

› श्रीलंका: सिंहली-तमिल संघर्ष, LTTE, भारत का हस्तक्षेप (1987), लोकतंत्र कायम, अच्छा विकास।

› कश्मीर, हथियार होड़, आतंकवाद, नदी जल - भारत-पाक संघर्ष के मुख्य मुद्दे।

› भारत के पड़ोसी देशों से संबंध: विविधतापूर्ण, सहयोग व मतभेदों का मिश्रण।

› दक्षेस (SAARC) 1985 में स्थापित; शांति, सहयोग, विकास हेतु; SAFTA व्यापार समझौता.